चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 23 सितंबर 2026, अंक –364.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

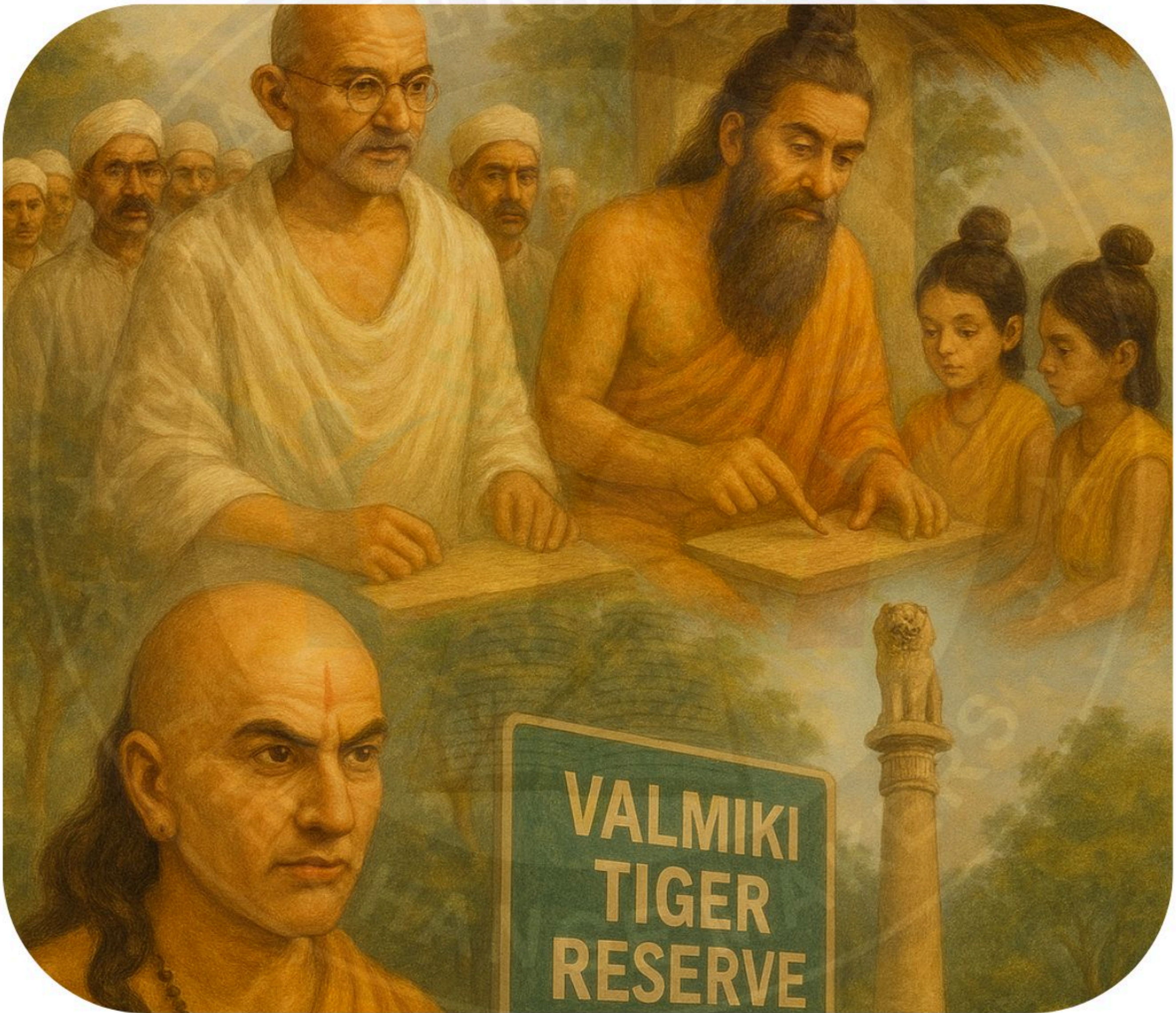

"शांति की शुरुआत एक मुस्कान से होती है।"
— मदर टेरेसा

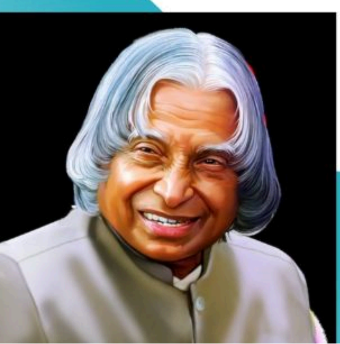

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है...।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी क े बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है...।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है...।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सके।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है...।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. एस्टोनिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: ताल्लिन
प्रश्न 2. भारत में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय कौन थे?
उत्तर: विनोबा भावे
प्रश्न 3. 'झिझिया' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनृत्य परंपरा है?
उत्तर: बिहार
प्रश्न 4. यदि किसी त्रिभुज का आधार 10 सेमी और ऊँचाई 6 सेमी है, तो उसका क्षेत्रफल कितना होगा?
उत्तर: 30 वर्ग सेमी
प्रश्न 5. 'करकटगढ़ जलप्रपात' बिहार के किस जिले में स्थित है?
उत्तर: कैमूर
प्रश्न 6. मधुमक्खियों के समूह को क्या कहा जाता है?
उत्तर: छत्ता
प्रश्न 7. डायनामाइट के आविष्कार से किस वैज्ञानिक का नाम जुड़ा है?
उत्तर: अल्फ्रेड नोबेल
प्रश्न 8. भारत में पंचायती राज व्यवस्था कितने स्तरों की है?
उत्तर: तीन स्तर
प्रश्न 9. 'जो अपने देश से प्रेम करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: देशप्रेमी
प्रश्न 10. मानचित्र में उत्तर दिशा बताने के लिए सामान्यतः किस चिन्ह का प्रयोग किया जाता है?
उत्तर: तीर का निशान

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Librarian - लाइब्रेरियन - पुस्तकालयाध्यक्ष
2️⃣ Accountant - अकाउंटेंट - लेखाकार
3️⃣ Cashier - कैशियर - रोकड़पाल / कैशियर
4️⃣ Mechanic - मैकेनिक - मिस्त्री / यांत्रिक
5️⃣ Electrician - इलेक्ट्रिशियन - बिजली मिस्त्री
6️⃣ Dentist - डेंटिस्ट - दंत चिकित्सक
7️⃣ Firefighter - फायरफ़ाइटर - अग्निशामक

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "They are not going to + V1"
(वे ... करने वाले नहीं हैं।)
वे आज मैदान में खेलने वाले नहीं हैं। – They are not going to play in the field today.
वे बस से यात्रा करने वाले नहीं हैं। – They are not going to travel by bus.
वे यह प्रश्न पूछने वाले नहीं हैं। – They are not going to ask this question.
वे आज कोई फिल्म देखने वाले नहीं हैं। – They are not going to watch a movie today.
वे कार्यक्रम में भाषण देने वाले नहीं हैं। – They are not going to give a speech at the programme.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा बधिर व्यक्तियों के मानवाधिकारों और सांकेतिक भाषा की भाषाई पहचान को संरक्षित करने हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस (International Day of Sign Languages)

व्याख्या: 23 सितंबर को प्रतिवर्ष 'अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस' मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2017 में संकल्प 72/161 के माध्यम से इसे औपचारिक रूप से घोषित किया था। 23 सितंबर 1951 को 'वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ द डेफ' (WFD) की स्थापना हुई थी, जिसकी स्मृति में यह तिथि चुनी गई। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के 7 करोड़ से अधिक बधिर व्यक्तियों के भाषाई अधिकारों, सांकेतिक भाषाओं (Sign Languages) के उपयोग, तथा शिक्षा व समाज के सभी क्षेत्रों में उनकी पूर्ण व समान भागीदारी को बढ़ावा देना है। भारत में 'भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र' (ISLRTC) द्वारा मानक सांकेतिक शब्दकोश का सतत विकास किया जा रहा है।

संदर्भ: UN General Assembly Resolution 72/161;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत के किस प्रमुख पर्यावरण एवं वानिकी संस्थान द्वारा हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के ग्लेशियरों के पिघलने की दर और हिमनद झीलों के विखंडन की वास्तविक समय पर निगरानी हेतु 'एडवांस्ड ग्लेशियोलॉजिकल अर्ली वॉर्निंग सिस्टम' शुरू किया गया? (समसामयिक घटना)

उत्तर: वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान (WIHG, देहरादून)

व्याख्या: सितंबर 2026 में देहरादून स्थित 'वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान' (WIHG) और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) द्वारा उच्च हिमालयी क्षेत्रों में 'ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड' (GLOF) के खतरों से निपटने हेतु उपग्रह और सेंसर आधारित एकीकृत प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली स्थापित की गई। यह प्रणाली लद्दाख, उत्तराखंड और सिक्किम की संवेदनशील हिमनद झीलों के जलस्तर, हिम-पिघलन दर और बांध-तटबंधों के कटाव का वास्तविक समय डेटा प्रेषित करती है। इसके माध्यम से निचले क्षेत्रों में संभावित आकस्मिक बाढ़ से पूर्व ही आपदा प्रबंधन टीमों को चेतावनी जारी कर जान-माल की रक्षा सुनिश्चित की जाती है।

संदर्भ: Department of Science & Technology (DST) Press Release September 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध उपन्यास है, जिसमें स्वाधीनता आंदोलन के दौर में ग्रामीण विकास, किसानों के लगान मुक्ति संघर्ष और अमरकांत तथा सकीना के मानवीय संबंधों का विस्तृत चित्रण है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: कर्मभूमि (1932)

व्याख्या: 'कर्मभूमि' (1932) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक अत्यंत प्रभावशाली सामाजिक एवं राजनीतिक उपन्यास है। इसकी कथा तत्कालीन संयुक्त प्रांत (उत्तर प्रदेश) के ग्रामीण और शहरी जीवन के अंतर्संबंधों पर आधारित है। मुख्य पात्र अमरकांत अपने विलासी जीवन को छोड़कर गाँव जाता है और अछूतोद्धार, किसानों की लगान बंदी तथा स्वावलंबन के सत्याग्रह का नेतृत्व करता है। उपन्यास में मंदिर-प्रवेश आंदोलन, निर्धन किसानों के भू-अधिकार और महिलाओं के सामाजिक योगदान को प्रमुखता दी गई है। यह उपन्यास गांधीवादी सत्याग्रह और जन-आंदोलन के नैतिक संकल्प का सजीव दस्तावेज है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'कर्मभूमि', हंस प्रकाशन/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2 साहित्य संदर्भ);

प्र.4. अत्यधिक प्लास्टिक अपशिष्ट के विखंडन से जल और वायु में घुलने वाले 5 मिलीमीटर से कम व्यास के अत्यंत सूक्ष्म प्लास्टिक कणों को क्या कहते हैं, जो जलीय जीवों और मानव खाद्य जाल को गंभीर रूप से प्रदूषित कर रहे हैं? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: माइक्रोप्लास्टिक (Microplastics)

व्याख्या: माइक्रोप्लास्टिक प्लास्टिक के वे अतिसूक्ष्म टुकड़े या रेशे होते हैं जिनका आकार 5 मिलीमीटर से कम (प्रायः माइक्रोमीटर स्तर पर) होता है। ये दो प्रकार के होते हैं: प्राथमिक माइक्रोप्लास्टिक (सौंदर्य प्रसाधनों, स्क्रब और टूथपेस्ट में प्रयुक्त माइक्रोबीड्स) तथा द्वितीयक माइक्रोप्लास्टिक (बोतलों, बैगों और सिंथेटिक कपड़ों के घिसने व टूटने से बने कण)। ये अविघटनीय कण जलस्रोतों के माध्यम से मछलियों, समुद्री जीवों और अंततः पीने के पानी तथा नमक के जरिए मानव शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इनमें उपस्थित विषैले रसायन (जैसे बिस्फेनॉल-ए और थैलेट्स) अंतःस्रावी तंत्र को बाधित कर कैंसर और प्रजनन विकारों का कारण बनते हैं।

संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 3 "संश्लेषित रेशे और प्लास्टिक", p. 34–38;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कानपुर में पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र नाना साहेब के प्रमुख सेनापति (कमांडर-इन-चीफ) कौन थे, जिन्होंने अपनी अचूक छापामार युद्ध रणनीति से अंग्रेजों को लंबे समय तक छकाया था? (इतिहास)

उत्तर: तात्या टोपे (रामचंद्र पांडुरंग येवलकर)

व्याख्या: तात्या टोपे (वास्तविक नाम: रामचंद्र पांडुरंग येवलकर) 1857 के महान राष्ट्रीय संग्राम के सर्वाधिक कुशल, साहसी और दुर्जेय सैन्य रणनीतिकार थे। वे नाना साहेब के विश्वसनीय सेनापति थे। कानपुर में विद्रोह का मोर्चा संभालने के बाद उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के साथ मिलकर ग्वालियर के किले पर अधिकार किया। रानी की शहादत के पश्चात भी तात्या टोपे ने हार नहीं मानी और मध्य भारत, राजस्थान व बुंदेलखंड के जंगलों व बीहड़ों में कई वर्षों तक ब्रिटिश सेना के विरुद्ध छापामार (गुरिल्ला) युद्ध जारी रखा। अंततः एक मित्र मानसिंह के विश्वासघात के कारण वे पकड़े गए और 18 अप्रैल 1859 को शिवपुरी में उन्हें फांसी दे दी गई।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 56–59;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत में उड़ीसा और आंध्र प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र में विशाखापट्टनम के निकट स्थित पूर्वी घाट (Eastern Ghats) की सबसे ऊंची पर्वत चोटी कौन-सी है? (भूगोल)

उत्तर: जिंदागड़ा शिखर (Jindhagada Peak - 1,690 मीटर)

व्याख्या: पूर्वी घाट पर्वतमाला का सर्वोच्च शिखर 'जिंदागड़ा' (Jindhagada Peak) है, जो आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम जिले में अराकू घाटी के निकट स्थित है। इसकी समुद्र तल से कुल ऊंचाई 1,690 मीटर (5,545 फीट) है। इससे पूर्व सामान्यत: 'अर्माकोंडा' (1,680 मीटर) या ओडिशा के कोरापुट स्थित 'देवमाली' (1,672 मीटर) और 'महेंद्रगिरि' (1,501 मीटर) को प्रमुख चोटियों के रूप में जाना जाता था। पश्चिमी घाट की तुलना में पूर्वी घाट एक असतत (खंडित) और अपेक्षाकृत कम ऊंची पर्वत श्रृंखला है, जिसे महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी बड़ी पूर्व-वाहिनी नदियों ने चौड़े डेल्टाई मैदान बनाकर जगह-जगह से काट दिया है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 12–14;

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत देश के नागरिकों के अधिकारों के उल्लंघन पर 'उच्च न्यायालयों' (High Courts) को बंदी प्रत्यक्षीकरण सहित 5 प्रकार की रिट जारी करने की व्यापक अधिकारिता प्राप्त है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 226 (Article 226)

व्याख्या: भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 226' राज्य के उच्च न्यायालयों को रिट जारी करने की असाधारण संवैधानिक शक्ति प्रदान करता है। जहाँ सर्वोच्च न्यायालय अनुच्छेद 32 के तहत केवल भाग-III में प्रदत्त 'मौलिक अधिकारों' के प्रवर्तन हेतु ही रिट जारी कर सकता है, वहीं उच्च न्यायालय अनुच्छेद 226 के अंतर्गत मौलिक अधिकारों के साथ-साथ किसी अन्य सामान्य विधिक अधिकार (Legal Rights) के हनन पर भी रिट (बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, उत्प्रेषण और अधिकार-पृच्छा) जारी कर सकता है। इस प्रकार रिट अधिकारिता के मामले में उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार सर्वोच्च न्यायालय की तुलना में अधिक व्यापक है।

संदर्भ: Constitution of India, Part VI, Article 226; NCERT Political Science Class 11 (भारत का

प्र.8. किसी लेंस या गोलीय दर्पण द्वारा उत्पन्न उस अनुपात को क्या कहते हैं, जो प्रतिबिंब की ऊंचाई (h') और वस्तु की ऊंचाई (h) के संबंध को व्यक्त करता है? (विज्ञान)

उत्तर: आवर्धन (रेखीय आवर्धन / Magnification)

व्याख्या: प्रकाशिकी में किसी गोलीय दर्पण या लेंस द्वारा वस्तु के आकार की तुलना में उसके प्रतिबिंब के आकार के अनुपात को 'आवर्धन' (Magnification) कहा जाता है। इसे छोटे अक्षर 'm' द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। गणितीय रूप में: m = \text{प्रतिबिंब की ऊंचाई } (h') / \text{वस्तु की ऊंचाई } (h)। दर्पण के लिए यह $m = -v / u$ तथा लेंस के लिए $m = v / u$ होता है (जहाँ v प्रतिबिंब दूरी और u वस्तु दूरी है)। आवर्धन एक मात्रक-हीन राशि है। यदि आवर्धन का मान ऋणात्मक (-) है, तो प्रतिबिंब वास्तविक और उल्टा होता है; यदि मान धनात्मक (+) है, तो प्रतिबिंब आभासी और सीधा होता है। यदि \vert{}m\vert{} > 1 हो, तो प्रतिबिंब वस्तु से बड़ा बनता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 183–185 एवं 194–196;

प्र.9. भरत मुनि के नाट्यशास्त्र पर आधारित शास्त्रीय नृत्य शैलियों में वह कौन-सा रूप है जो शास्त्रीय नियमों से बंधा होने के साथ-साथ अपने तीव्र चक्रों, भावपूर्ण नयनाभिनय और हिंदुस्तानी संगीत की संगति हेतु प्रसिद्ध है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: कत्थक नृत्य (Kathak)

व्याख्या: कत्थक उत्तर भारत का एकमात्र प्रमुख शास्त्रीय नृत्य है। इसका नाम संस्कृत के 'कथा' शब्द से बना है, जिसका अर्थ है कहानी कहना। यह नृत्य मंदिरों के कथावाचकों से शुरू होकर मध्यकाल में भक्ति आंदोलन और बाद में मुगलों व अवध के नवाबों के राजदरबारों में परिष्कृत हुआ। इसके तीन प्रमुख घराने — लखनऊ घराना (नज़ाकत और अभिनय प्रधान), जयपुर घराना (तीव्र पद-संचालन और चक्र प्रधान) तथा बनारस घराना (सात्विक भाव प्रधान) हैं। इसमें पखावज या तबले की थाप पर घुंघरुओं की सटीक झंकार के साथ 'तत्कार' (पैरों का संचालन), 'आमाद', 'तोड़े-टुकड़े' और 'पढ़ंत' की जाती है। पंडित बिरजू महाराज और दमयंती जोशी इस नृत्य के मूर्धन्य साधक रहे हैं।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (An Introduction to Indian Art Part-1), Ch 8 "भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा", p. 110–114;

प्र.10. 1917 के चंपारण सत्याग्रह के दौरान मोतिहारी में महात्मा गांधी को अपनी जान जोखिम में डालकर दूध में मिले जहर से बचाने वाले बत्तख मियां अंसारी किस जिले के निवासी थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: पूर्वी चंपारण (मोतिहारी / सिसवा गाँव)

व्याख्या: बत्तख मियां अंसारी (1867–1957) बिहार के चंपारण सत्याग्रह के एक अमर और गुमनाम स्वतंत्रता सेनानी थे। वे वर्तमान पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी अनुमंडल के सिसवा अजरखबे गाँव के निवासी थे। 1917 में वे एक अंग्रेज नीलहे बगान मालिक इरविन के बंगले पर रसोइए के रूप में कार्यरत थे। इरविन ने गांधी जी को रात्रिभोज पर आमंत्रित किया और बत्तख मियां को उनके दूध के गिलास में घातक जहर मिलाने का षड्यंत्र रचा तथा भारी रिश्वत और धमकी दी। बत्तख मियां ने अदम्य देशभक्ति का परिचय देते हुए दूध परोसते समय गांधी जी और डॉ. राजेंद्र प्रसाद को चेतावनी दे दी कि दूध में जहर है। इस कारण गांधी जी के प्राण बच गए। अंग्रेजों ने प्रतिशोध में उनकी संपत्ति जब्त कर ली और उन पर भीषण अत्याचार किए। 1950 में राष्ट्रपति बनने पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने स्वयं मोतिहारी जाकर उन्हें सम्मानित किया था।

संदर्भ: Government of Bihar Information & Public Relations Archives;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W3 — भूकंप से खतरे एवं बचाव) के अनुसार भूकंप के समय सीढ़ियों और बालकनी (छज्जे) पर खड़ा होना जानलेवा क्यों माना जाता है और लिफ्ट (Elevator) का प्रयोग क्यों पूर्णतः वर्जित है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: संरचनात्मक रूप से सबसे कमजोर होना; विद्युत आपूर्ति ठप होने व केबल टूटने से फंसने का खतरा

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W3: भूकंप से खतरे एवं बचाव) के अनुसार, भूकंप के दौरान इमारतों में संरचनात्मक व्यवहार को समझना जीवन रक्षा के लिए अनिवार्य है: (1) सीढ़ियाँ और बालकनियाँ (छज्जे) भवन के मुख्य फ्रेम से बाहर लटकी (कैंटिलीवर) संरचनाएं होती हैं; भूकंपीय क्षैतिज तरंगों (S-तरंगों) के कंपन के दौरान इन जोड़ों पर सर्वाधिक कतरनी प्रतिबल (Shear Stress) उत्पन्न होता है, जिससे सीढ़ियाँ और छज्जे सबसे पहले टूटकर गिरते हैं, अतः भूकंप के दौरान कभी भी सीढ़ियों पर दौड़ने या छज्जे पर खड़े होने की भूल न करें; (2) लिफ्ट (एलिवेटर) का प्रयोग पूरी तरह वर्जित है क्योंकि भूकंप आते ही सुरक्षा कारणों से मुख्य विद्युत ग्रिड स्वतः ट्रिप हो जाता है, जिससे लिफ्ट बीच में ही फंस जाती है; इसके अतिरिक्त लिफ्ट शाफ्ट की तारों (केबल्स) के टूटने या शाफ्ट के मुड़ जाने से लिफ्ट के नीचे गिरने का घातक जोखिम होता है; (3) भूकंप रुकने के पश्चात ही शांत रहकर मुख्य सुरक्षित सीढ़ियों से एक-दूसरे को सहारा देते हुए कतारबद्ध होकर बाहर निकलें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W3 — "भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी";

प्र.12. 10 वर्ष पूर्व एक पिता की आयु अपने पुत्र की आयु की 3 गुनी थी। 10 वर्ष बाद पिता की आयु अपने पुत्र की आयु की 2 गुनी हो जाएगी। बताइए पिता और पुत्र की वर्तमान आयु क्रमशः कितने वर्ष है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: पिता: 70 वर्ष, पुत्र: 30 वर्ष

व्याख्या: यह आयु संबंधी समस्याओं पर आधारित दो चरों वाले रैखिक समीकरणों का मानक तार्किक गणितीय प्रश्न है। माना कि 10 वर्ष पूर्व पुत्र की आयु = x वर्ष थी।, अतः 10 वर्ष पूर्व पिता की आयु = $3x$ वर्ष थी। दोनों की वर्तमान आयु: पुत्र की वर्तमान आयु = $(x + 10)$ वर्ष, पिता की वर्तमान आयु = $(3x + 10)$ वर्ष, अब, आज से 10 वर्ष बाद दोनों की आयु: पुत्र की आयु = $(x + 10) + 10 = (x + 20)$ वर्ष, पिता की आयु = $(3x + 10) + 10 = (3x + 20)$ वर्ष, प्रश्नानुसार, 10 वर्ष बाद पिता की आयु पुत्र की आयु की 2 गुनी होगी: $3x + 20 = 2 * (x + 20)$, $3x + 20 = 2x + 40$, पक्षांतरण करने पर: $3x - 2x = 40 - 20$, $x = 20$ वर्ष (यह 10 वर्ष पूर्व पुत्र की आयु थी)।, अतः वर्तमान आयु:, पुत्र की वर्तमान आयु = $x + 10 = 20 + 10 = 30$ वर्ष, पिता की वर्तमान आयु = $3x + 10 = 3 * 20 + 10 = 60 + 10 = 70$ वर्ष।

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

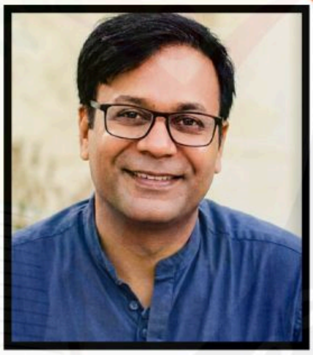

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Efficacious (एफिकेशस) = Effective (इफेक्टिव) = प्रभावी / कारगर
   Antonym – Ineffective (इनेफेक्टिव) = अप्रभावी / बेअसर
2. Fractious (फ्रैक्शस) = Irritable (इरिटेबल) = चिड़चिड़ा / झगड़ालू
   Antonym – Amiable (एमीअबल) = मिलनसार / सौम्य
3. Obsequious (ऑब्सीक्विअस) = Servile (सर्वाइल) = चापलूस / अत्यधिक आज्ञाकारी
   Antonym – Assertive (असर्टिव) = आत्मविश्वासी / दृढ़तापूर्वक अपनी बात रखने वाला
4. Staunch (स्टॉन्च) = Loyal (लॉयल) = दृढ़निष्ठ / वफादार
   Antonym – Disloyal (डिसलॉयल) = विश्वासघाती / अवफादार
5. Vacillate (वैसिलेट) = Waver (वेवर) = डाँवाडोल होना / निर्णय बदलते रहना
   Antonym – Resolve (रिज़ॉल्व) = दृढ़ निर्णय लेना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

India-New Zealand FTA to come into effect on October 20; boosts trade in services, investment, and pharmaceuticals
हिन्दी अनुवाद: भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौता 20 अक्टूबर से प्रभावी; सेवाओं, निवेश और फार्मास्यूटिकल्स में व्यापार को बढ़ावा।�
भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (FTA) 20 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होगा। यह समझौता वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार, निवेश, सरकारी खरीद, बौद्धिक संपदा और व्यापार सुविधा को कवर करता है। भारतीय फार्मास्यूटिकल कंपनियों को न्यूज़ीलैंड के बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। UPSC/BPSC के लिए: FTA — मुक्त व्यापार समझौता; WTO — विश्व व्यापार संगठन; IPR — बौद्धिक संपदा अधिकार।

Government aims to provide free rooftop solar panels to 2.3 lakh families; boosts solar power use under PM Surya Ghar Muft Bijli Yojana
हिन्दी अनुवाद: सरकार का लक्ष्य 2.3 लाख परिवारों को मुफ्त रूफटॉप सोलर पैनल प्रदान करना; PM सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा।�
केंद्र सरकार ने PM Surya Ghar Muft Bijli Yojana के तहत 2.3 लाख परिवारों को मुफ्त रूफटॉप सोलर पैनल प्रदान करने का लक्ष्य रखा है। यह पहल नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देगी और परिवारों की बिजली बचत में मदद करेगी। राज्य सरकारें नागरिकों के लिए रूफटॉप सोलर स्कीम के लिए पंजीकरण पोर्टल लॉन्च कर रही हैं। UPSC/BPSC के लिए: PM Surya Ghar Muft Bijli Yojana — PM सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना; MNRE — नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय; Solar energy — सौर ऊर्जा।

India-Mongolia Joint Military Exercise 'Nomadic Elephant' commences at Pithoragarh; focuses on counter-insurgency operations
हिन्दी अनुवाद: भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलिफेंट' पिथौरागढ़ में शुरू; काउंटर-इंसर्जेंसी अभियानों पर ध्यान।�
भारत और मंगोलिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलिफेंट' उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में शुरू हुआ। यह 14-दिवसीय अभ्यास काउंटर-इंसर्जेंसी और काउंटर-टेररिज्म अभियानों पर केंद्रित है। इसमें दोनों देशों की सेनाएं भाग ले रही हैं। UPSC/BPSC के लिए: Nomadic Elephant — नोमैडिक एलिफेंट; Indian Army — भारतीय सेना; Counter-insurgency — विद्रोह विरोधी अभियान।

INTERNATIONAL NEWS

Iran ready to reopen Strait of Hormuz within 7 days if US lifts blockade; calls UN gathering 'golden opportunity' for diplomacy
हिन्दी अनुवाद: ईरान तैयार होर्मुज़ जलडमरूमध्य को 7 दिनों में फिर से खोलने के लिए यदि US प्रतिबंध हटाता है; UN बैठक को कूटनीति के लिए 'सुनहरा अवसर' कहा।�
एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि ईरान होर्मुज़ जलडमरूमध्य को सात दिनों के भीतर फिर से खोल सकता है यदि संयुक्त राज्य अमेरिका अपने सैन्य दबाव को कम करता है और ईरानी बंदरगाहों पर अपने अवरोध को हटाता है। उन्होंने UN महासभा को वॉशिंगटन के साथ कूटनीति को फिर से शुरू करने के लिए एक "सुनहरा अवसर" बताया। US विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि US UN में ईरानियों से बात करने के लिए खुला है, लेकिन कोई बैठक निर्धारित नहीं है। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; UNGA — संयुक्त राष्ट्र महासभा; JCPOA — 2015 का ईरान परमाणु समझौता।

UN mission finds reasonable grounds to believe US committed war crimes in Iran; says Iranian authorities committed crimes against humanity
हिन्दी अनुवाद: UN मिशन को US द्वारा ईरान में युद्ध अपराध करने के उचित आधार मिले; कहा — ईरानी अधिकारियों ने मानवता के खिलाफ अपराध किए।�
UN की तथ्य-जांच मिशन ने कहा कि उसे उचित आधार हैं कि US ने फरवरी में ईरान में एक स्कूल और खेल सुविधा पर दो सैन्य हमले किए जो युद्ध अपराध थे। मिशन ने पाया कि ईरानी अधिकारियों ने विरोध प्रदर्शनों के घातक दमन के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध किए। यह रिपोर्ट UN मानवाधिकार परिषद को सौंपी गई। UPSC/BPSC के लिए: UN Human Rights Council — UN मानवाधिकार परिषद; War crimes — युद्ध अपराध; Crimes against humanity — मानवता के खिलाफ अपराध।

Trump to address UNGA on Iran nuclear threat, Gaza plan; says US open to meeting Iran but no talks scheduled
हिन्दी अनुवाद: ट्रम्प UNGA में ईरान परमाणु खतरे, गाजा योजना पर संबोधित करेंगे; कहा — US ईरान से मिलने के लिए खुला लेकिन कोई वार्ता निर्धारित नहीं।�
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं, गाजा शांति योजना और अन्य मुद्दों पर संबोधित करेंगे। US विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि US UN में ईरानियों से बात करने के लिए खुला है, लेकिन कोई बैठक निर्धारित नहीं है। उपराष्ट्रपति JD वांस ने कहा कि ईरान कल या छह महीने या एक साल में परमाणु हथियार नहीं बना सकता। UPSC/BPSC के लिए: UNGA — संयुक्त राष्ट्र महासभा; UNSC — संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद; NPT — परमाणु अप्रसार संधि।

BIHAR NEWS

Bihar floods: 40.72 lakh affected across 16 districts; six children drown in Bhagalpur, Tejashwi slams BJP over PM's birthday celebrations
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 16 जिलों में 40.72 लाख प्रभावित; भागलपुर में छह बच्चों की डूबने से मौत, तेजस्वी ने PM के जन्मदिन समारोह पर BJP पर निशाना साधा।
बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। 16 जिलों के 88 ब्लॉकों में 676 ग्राम पंचायतों में 40.72 लाख लोग प्रभावित हैं। भागलपुर के सुल्तानगंज ब्लॉक में छह बच्चों की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई। RJD नेता तेजस्वी यादव ने PM मोदी के जन्मदिन पर "दिया-बाती" समारोह पर खर्च की आलोचना की और बाढ़ व सूखा प्रभावित किसानों के लिए 15,000 रुपये की मांग की। UPSC/BPSC के लिए: CWC – केंद्रीय जल आयोग; HFL – Highest Flood Level; NDMA – राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण।

Ganga, Gandak, Kosi still flowing above danger mark at several locations; water levels receding slowly
हिन्दी अनुवाद: गंगा, गंडक, कोसी अभी भी कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं; जलस्तर धीरे-धीरे घट रहा है।
केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा, गंडक और कोसी नदियां कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, लेकिन जलस्तर में गिरावट शुरू हो गई है। गंगा सहित अधिकांश नदियों में जलस्तर घटने लगा है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। UPSC/BPSC के लिए: CWC – केंद्रीय जल आयोग; HFL – Highest Flood Level; NDRF/SDRF – राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल।

SPORTS NEWS

Asian Games 2026: India wins first gold medal as women's cricket team beats Sri Lanka by 147 runs in final
हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026: भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीता क्योंकि महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 147 रनों से हराया।�
हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेल 2026 के फाइनल में श्रीलंका को 147 रनों से हराकर भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता। स्मृति मंधाना ने 45 गेंदों में 79 रन बनाए। भारत ने 20 ओवरों में 216/3 बनाए और श्रीलंका को 69 रनों पर ऑल-आउट कर दिया। यह भारत का एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट में पहला स्वर्ण पदक है। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games – एशियाई खेल, चार साल में एक बार; T20I – Twenty20 International; BCCI – भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड।

Asian Games 2026: India's medal tally reaches 7 (1 gold, 4 silver, 2 bronze); shooters continue strong performance
हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026: भारत का पदक tally 7 पहुंचा (1 स्वर्ण, 4 रजत, 2 कांस्य); शूटर्स का मजबूत प्रदर्शन जारी।�
भारत ने एशियाई खेल 2026 में अब तक 7 पदक जीते हैं – 1 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य। शूटिंग में हिमांशु ढिलन ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में रजत, रुद्रांक्ष पाटिल ने कांस्य जीता। एलावेनिल वलरिवन ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में रजत और टीम इवेंट में रजत जीता। MMA में सुचिका तारियाल ने कांस्य पदक जीता। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games – एशियाई खेल; ISSF – अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स महासंघ; IMMAF – अंतरराष्ट्रीय MMA महासंघ।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

🌱 **"शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सम्मान की उपस्थिति है।**

प्रेरक प्रसंग

खाली घड़े की सीख

तक्षशिला में भद्रक नाम का एक युवा व्यापारी रहता था। वह सुबह से लेकर देर रात तक हाट में खूब पसीना बहाता, फिर भी महीने के अंत में उसकी तिजोरी खाली ही रहती।
थक-हारकर वह एक दिन आचार्य चाणक्य के पास पहुँचा और उदास होकर बोला, "आचार्य! मैं दिन-रात कठिन परिश्रम करता हूँ, फिर भी मेरे हाथ कुछ नहीं लगता। कदाचित मेरा भाग्य ही खोटा है!"

चाणक्य शांत भाव से मुस्कुराए। उन्होंने भद्रक को मिट्टी का एक घड़ा थमाते हुए कहा, "जाओ, सामने बहती नदी से इसमें जल भरकर आश्रम ले आओ।"
भद्रक दौड़ा-दौड़ा नदी किनारे गया। उसने घड़ा भरा और तेजी से लौटने लगा। लेकिन घड़े की पेंदी में एक छोटा-सा छेद था, जिससे सारा जल रास्ते में टपकता रहा। आश्रम पहुँचते ही देखा तो घड़ा खाली!

उसने दोबारा प्रयास किया, पर इस बार भी वही हुआ। तीसरी बार वह झुंझलाकर बोला, "आचार्य! यह घड़ा ही व्यर्थ है। इसमें तो छिद्र है, जल टिकता ही नहीं!"
चाणक्य ने स्नेह से उसके कंधे पर हाथ रखा और बोले, "वत्स! घड़ा व्यर्थ नहीं है। दोष यह है कि तुम जल भरने का श्रम तो कर रहे हो, पर उसका छिद्र बंद नहीं कर रहे। ठीक ऐसे ही तुम्हारे जीवन में धन और साधन तो आ रहे हैं, पर फिजूलखर्च, समय की बर्बादी और बिना सोचे-समझे योजनाएँ बदलने के कारण सब बह जाता है।"
भद्रक को अपनी भूल समझ आ गई। उसने तुरंत अपनी कमियों को सुधारा और शीघ्र ही एक सफल व्यापारी बन गया।

सीख: केवल परिश्रम बढ़ाना पर्याप्त नहीं होता; अपनी ऊर्जा, समय और धन की बर्बादी वाले छिद्र को बंद करना भी उतना ही आवश्यक है।

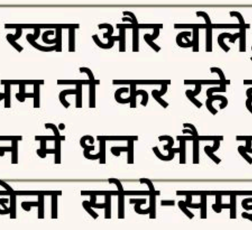

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: थोड़ा कठिन | भाग-4

सोचो... समझो... हल करो...

			9					
			1	4	3	8	2	
	9	8					4	
1		2			7			
	6				4			8
				1		7		6
8		9	4					
	4	5	2				8	7
							6	4

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"सपने वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।"

— ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

4	1	3	9	2	8	6	7	5
7	5	6	1	4	3	8	2	9
2	9	8	5	7	6	3	4	1
1	8	2	6	9	7	4	5	3
9	6	7	3	5	4	2	1	8
5	3	4	8	1	2	7	9	6
8	7	9	4	6	5	1	3	2
6	4	5	2	3	1	9	8	7
3	2	1	7	8	9	5	6	4

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता!

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 2, श्लोक 48

योगस्थः कुरु कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा धनञ्जय।

सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते॥

सरल हिन्दी अर्थ:

हे धनंजय (अर्जुन)! आसक्ति (अति-लगाव) को त्यागकर, सफलता और विफलता में समान भाव रखकर अपने कर्तव्य-कर्म करो। यह समभाव (मानसिक संतुलन) ही "योग" कहलाता है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

पिछले श्लोक में श्रीकृष्ण ने 'कर्म' पर ध्यान केंद्रित करने को कहा था, और इस श्लोक में वे बताते हैं कि काम करने की सही मानसिक अवस्था (Mindset) क्या होनी चाहिए।

- समत्वं योग उच्यते (Emotional Stability): आधुनिक मनोविज्ञान जिसे 'इमोशनल रेजिलिएंस' (Emotional Resilience) या भावनात्मक स्थिरता कहता है, वही गीता का समत्व योग है। जीत में अत्यधिक घमंड में न आना और हार में डिप्रेशन या हताशा में न टूटना ही मानसिक संतुलन है।
- आसक्ति (Attachment) से मुक्ति: जब हम किसी काम के नतीजे से अपनी पूरी पहचान और आत्मसम्मान (Self-worth) को जोड़ लेते हैं, तो डर और एंग्जायटी पैदा होती है। काम को खेल की भावना (Sportsmanship) से खेलना ही आसक्ति से मुक्ति है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर | बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि **विशेष**

■ **चन्द्रभूषण शांडिल्य**

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पे्ररक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 | बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण ... संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> **फूदन राम**, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-8

अमर शहीद सुखदेव थापर

प्यारे बच्चों, जब भी हम 23 मार्च के 'शहीद दिवस' को याद करते हैं, तो हमारे सामने अमर सेनानियों की त्रिमूर्ति—भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का नाम एक साथ गूँज उठता है। आज हम उसी पावन तिकड़ी के उस वीर सपूत की कहानी सुनेंगे, जो अपनी तेज़ बुद्धि, गज़ब के संगठन कौशल और अटूट देशप्रेम के लिए जाने जाते थे। वे थे अमर क्रांतिकारी सुखदेव थापर। सुखदेव जी का जन्म 15 मई 1907 को पंजाब के लुधियाना शहर के नौघरा मोहल्ले में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री रामलाल थापर और माता का नाम श्रीमती रल्ली देवी था। सुखदेव अभी बहुत छोटे थे कि उनके पिता का साया उनके सिर से उठ गया। इसके बाद उनके ताऊजी लाला अचिंतराम जी ने उनका लालन-पालन बड़े प्यार, दुलार और संस्कारों के साथ किया।

नन्हे सुखदेव बचपन से ही बड़े साहसी, हाज़िरजवाब और स्वाभिमानी बालक थे। उनके भीतर बचपन से ही अन्याय के आगे न झुकने का पक्का जज़्बा था। जब वे स्कूल में पढ़ते थे, तब अंग्रेज़ हुकूमत का हुक्म था कि भारतीय बच्चे भी अंग्रेज़ अफसरों को झुककर सलामी ठोकें। नन्हे सुखदेव ने उस घमंडी हुक्म को मानने से साफ इनकार कर दिया और गर्व से अपना सिर ऊँचा रखा। जब 1919 में जलियांवाला बाग का भयानक नरसंहार हुआ, तो उस समय सुखदेव केवल बारह वर्ष के थे। अपनी आँखों के सामने निर्दोष देशवासियों पर हुए ज़ुल्म को देखकर इस नन्हे बालक का खून खौल उठा। उन्होंने उसी दिन मन ही मन प्रण लिया कि वे अपनी पूरी ज़िंदगी भारत माता को अंग्रेज़ों के चंगुल से आज़ाद कराने में लगा देंगे।

बड़े होकर सुखदेव लाहौर के नेशनल कॉलेज पहुँचे, जहाँ उनकी मुलाकात भगत सिंह और यशपाल जैसे नौजवानों से हुई। भगत सिंह और सुखदेव की दोस्ती दो जिस्म और एक जान जैसी थी। सुखदेव केवल लड़ने वाले वीर नहीं थे, बल्कि वे पूरे क्रांतिकारी आंदोलन के मुख्य रणनीतिकार और दिमाग थे। वे 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' (HSRA) और 'नौजवान भारत सभा' के प्रमुख संगठनकर्ता बने। पंजाब के गाँव-गाँव और कॉलेजों में जाकर युवाओं को देशसेवा के लिए जोड़ना, छुपने के ठिकाने बनाना और बम बनाने की गुप्त प्रयोगशालाएँ तैयार करना—इन सारे कठिन कामों को सुखदेव बड़ी चतुराई से संभालते थे।

जब अंग्रेज़ पुलिस की लाठियों से पंजाब केसरी लाला लाजपत राय जी शहीद हुए, तो सुखदेव ने ही भगत सिंह और राजगुरु के साथ मिलकर अंग्रेज़ पुलिस अफसर सांडर्स को सबक सिखाने की योजना बनाई थी। बाद में लाहौर में बम बनाने की गुप्त फैक्ट्री पकड़े जाने पर सुखदेव को गिरफ्तार कर लिया गया। जेल की कालकोठरी में अंग्रेज़ पुलिस ने उन्हें भयानक यातनाएँ दीं, लेकिन यह वीर नौजवान चट्टान की तरह अडिग रहा और एक भी साथी का भेद नहीं खोला।

23 मार्च 1931 की शाम लाहौर सेंट्रल जेल में जब भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फाँसी के फंदे की ओर ले जाया गया, तो तीनों वीर मुस्कुराते हुए एक-दूसरे के गले मिले और 'इंक़लाब ज़िंदाबाद' का नारा लगाते हुए फाँसी के फंदे को चूम लिया। सुखदेव जी महज़ 24 वर्ष के थे जब वे अमर हो गए। प्यारे बच्चों, सुखदेव का जीवन हमें सिखाता है कि निस्वार्थ दोस्ती निभाओ, अपनी बुद्धि का उपयोग नेक काम में करो और अपनी मातृभूमि के लिए हमेशा सीना तानकर खड़े रहो।

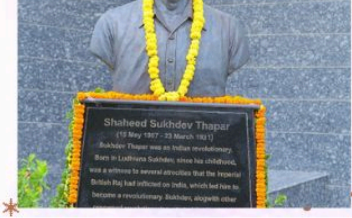

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org